मील के पत्थर

मात्स्यिकी विभाग हिमाचल प्रदेश।

Email id: fisheries-hp@nic.in
Website: hpfisheries.nic.in

1990: नॉर्वे सरकार की सहायता से ''ट्राउट कृषि परियोजना'' पतलीकूहल का प्रारम्भ

1992: देश की पहली ''बहते पानी में मत्स्य पालन'' इकाई बिलासपुर में स्थापित

1993: खाने योग्य आकार की ट्राउट मछली का मत्स्य फार्मों से विक्रय प्रारम्भ

1997: ट्राउट फार्म पतलीकूहल में पहली बार नॉर्वेजीयन रेनबो ट्राउट का सफल प्रजनन

1998: मात्स्यिकी निदेशालय के नए कार्यालय का बिलासपुर में उद्घाटन

1998: गोबिंद सागर जलाशय से रिकॉर्ड मछली उत्पादन

1998: भारत सरकार द्वारा ''सेविंग–कम–रीलीफ'' स्कीम का अनुमोदन

1999: राष्ट्र का पहला महाशीर बीज उत्पादन भारत सरकार द्वारा अनुमोदित

2001: भारत सरकार द्वारा ''शीत जल एक्वाकल्चर'' को बढ़ावा देने के लिए केन्द्र से सहायता अनुमोदित

2001: मात्स्यिकी विभाग हिमाचल प्रदेश का राजस्व 100 लाख से अधिक हुआ

2002: ट्राउट फार्म पतलीकूहल की 8 टन उत्पादन क्षमता के विरूद्ध 15 टन ट्राउट उत्पादित

2003: ट्राउट फार्म पतलीकूहल में मत्स्य रोग विज्ञान प्रयोगशाला स्थापित

2004: वाणिज्यिक ट्राउट पालन निजी क्षेत्र में शुरू किया गया तथा नियमित सर्वेक्षण द्वारा मछली के स्वास्थ्य की जांच की गई

2005: पहली बार राज्य के जलाशयों में सुनहरी महाशीर का 10,000 बीज संग्रहित किया गया

2005: जलाशयों में मत्स्य बीज संग्रहण का आकार न्यूनतम 40 मि.मी. निर्धारित

2006: महाशीर फार्म हेतू जोगिंदरनगर, मण्डी में नया स्थान चयनित किया गया

2006: कुल्लू जिले की बंजार तहसील में ट्राउट फार्म का पुनःनिर्माण

2006: विभाग का राजस्व 108 लाख रूपये हुआ

2006: सरकारी व निजी क्षेत्र में उत्पादित ट्राउट का 200 रूपये प्रति किलो की आकर्षक दर पर विक्रय

2006: मिरर कार्प के बेहतर प्रजाति के 1000 बीज राज्य के बाहर से आयातित तथा विभागीय फार्मों में ब्रूड स्टॉक तैयार करने के लिए इनका पालन

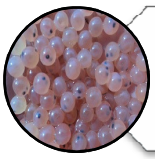

2006: कनाडा से 15,000 आर्कटिक चार्र के आंख वाले अण्डे ट्राउट फार्म पतलीकूहल, सांगला तथा होली में डाले गए

2007: राज्य के जलाशयों से मुबलिग 547 लाख रूपये की 1147 टन मछली उत्पादित की गई

2007: विभाग का राजस्व 173 लाख रूपये हुआ

2008: राज्य के जलाशयों से मुबलिग 643 लाख रूपये की 1315 टन मछली उत्पादित की गई

2008: विभाग का राजस्व 185 लाख रूपये हुआ

2008: इ–समाधान सेवा प्रारम्भ

2009–10: मिल्क फैडरेशन से 20 कर्मचारियों को विभाग में लिया गया

2009–10: बिलासपुर में जागृति भवन का उद्घाटन

2011–12: एन.एम.पी.एस. योजना के तहत कार्प फार्म नालागढ़, सोलन के विस्तार हेतू मुबलिग 668 लाख रूपये स्वीकृत

2012–13: गोबिंद सागर जलाशय से रिकॉर्ड 1213 टन मछली उत्पादन

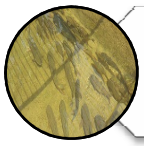

2012–13: एन.एम.पी.एस. योजना के तहत कार्प फार्म अल्सू , मण्डी के विस्तार हेतू मुबलिग 668 लाख रूपये स्वीकृत

2012–13: ''एक्वाकल्चर डवल्पमैंट थ्रू इन्टेग्रेटिड एपरोच'' नामक नई योजना प्रारम्भ

2013–14: गोबिंद सागर जलाशय तथा पौंग डैम में गश्त लगाने हेतू 2 फाइबर ग्लास मोटर क्रय

2013–14: एस.एम.एस किसान सेवा प्रारम्भ

2013–14: ''बैकयार्ड फिश फार्मिंग'' योजना प्रारम्भ

2013–14: एंगलिंग हेतू इ–लाइसैंस सेवा प्रारम्भ

2013–14: पहली बार हिमाचल भवन चण्डीगढ़ में ''हिम फिश फैस्टीवल'' का आयोजन

2013–14: गोबिंद सागर जलाशय से रिकॉर्ड 1493 टन मछली उत्पादन

2013–14: ट्राउट फार्म पतलीकूहल से मात्स्यिकी विभाग भुटान को ट्राउट बीज निर्यात

2013–14: मात्स्यिकी संबन्धी प्रश्नों का हल ''गिरिराज पत्रिका'' में समाधान कॉलम में संबोधित

2013–14: वार्षिक प्रशासनिक प्रतिवेदन द्विभाषीय

2013–14: इ–टैन्डर प्रक्रिया प्रारम्भ

"Motivation gets you moving,
Determination keeps you going."

Email id: fisheries-hp@nic.in
Website: hpfisheries.nic.in